करने में, जैसा कि शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के वर्ष १९५६–५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ६१ पर कहा गया है, जनवरी, १९५८ तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) इस संग्रह को तैयार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भषा सम्बन्धी योग्यतायें क्या है ;

(ग) इस शब्दकोष का कितना भाग सरकार को प्राप्त हो चुका है ;

(घ) शब्दकोष सन्तोषजनक हो इस के लिये क्या व्यवस्था की गई है ; और

(ङ) क्या इस शब्दकोष को तैयार करने वाले संगठन को अनुदान की पूरी राशि दे दी गई है ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) से (ङ). एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है, जिसमें आवश्यक सूचना दी गयी है । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या १३]

भाषा शब्दकोष

८०८. श्री क० भे० मालवीय : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, तामिल, तेलुगु, बंगाली और मराठी भाषाओं का एक सप्त-भाषा शब्दकोष तैयार करने में, जैसा कि शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के वर्ष १९५६–५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ६१ पर कहा गया है, जनवरी, १९५८ तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) इस संग्रह को तैयार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भाषा सम्बन्धी योग्यतायें क्या हैं ;

(ग) इस शब्दकोष का कितना भाग सरकार को प्राप्त हो चुका है ;

(घ) शब्दकोष सन्तोषजनक हो इसके लिये क्या व्यवस्था की गई है ; और

(ङ) क्या इस शब्दकोष को तैयार करने वाले संगठन को अनुदान की पूरी राशि दे दी गई है ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) बुनियादी हिन्दी की शब्दावली, जिस के आधार पर हिन्दुस्तानी-हिन्दी सभा, हैदराबाद सात भाषाओं का शब्दकोष तैयार करेगी, बना ली गयी है, और सरकार ने उसका अनमोदन भी कर दिया है ।

(ख) शब्दकोष तैयार करने का काम हिन्दुस्तानी हिन्दी सभा, हैदराबाद को दिया गया है, उसने जिन व्यक्तियों को यह काम सौंपा है उनकी शैक्षिक योग्यताओं के सम्बन्ध में एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या १४]

(ग) सभा ने शब्दकोष के वर्ण 'अ' से 'घ' तक के शब्द फरवरी, १९५७ में पेश किये थे । इस सामग्री का परीक्षण मंत्रालय के विशेषज्ञों ने किया था और सभा से कहा गया था कि पहले वह हिन्दी के बुनियादी शब्दों की एक पूर्ण सूची सरकार के पास अनुमोदन के लिये भेजे ।

(घ) कोष-निर्माण सम्बन्धी जिन सभी कार्यों के लिये सरकार आर्थिक सहायता देती है, उनके संदर्शन, नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिये एक समन्वय समिति बना दी गई है ।

(ङ) शब्दकोष तैयार करने के लिये जो २५,०००।– रुपये का कुल अनुदान मंजूर किया गया था, उसमें से २१,७५०।– रुपये का अनुदान सभा को दिया जा चुका है ।